Press Release

TATA POWER-DDL

शुक्रवार, 18 जुलाई, 2025

नई दिल्ली

प्रेस नोट

टाटा पावर-डीडीएल ने की सुरक्षित कांवड़ यात्रा 2025 की तैयारियां

नॉर्थ दिल्ली में लगभग 90 लाख की आबादी के लिए बिजली वितरण करने वाली अग्रणी पावर यूटिलिटी टाटा पावर-डीडीएल अपने परिचालन इलाके में कांवड़ यात्रा के निर्धारित मार्गों पर चौबीसों घंटे पब्लिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के समुचित उपाय किए हैं।

हर साल कांवड़ यात्रा के लिए लाखों श्रद्धालु दूरदराज के इलाकों से आते हैं, और इनकी भारी संख्या के मद्देनज़र, खासतौर से मानसून के मौसम में बिजली संबंधी दुर्घटनाओं के खतरे भी बढ़ जाते हैं।

कांवड़ यात्रा 2025 के दौरान, ऐसी किसी भी दुर्घटना की आशंका से बचने के लिए, टाटा पावर-डीडीएल की ज़ोनल टीमों को संबंधित इलाकों में सभी कांवड़ शिविरों की पहचान करने और इनमें सुरक्षा के मानकों को कड़ाई से लागू करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत्, यात्रा मार्गों पर बिजली के सभी खंभों, ट्रांसफार्मरों आदि से रिसाव तथा सबस्टेशनों की जांच शामिल हैं।

टीमों को अधिक ट्रैफिक वाले इलाकों या अस्थायी शिविरों को प्राथमिकता देने, सभी केबल ज्वॉइंट्स तथा/या क्षतिग्रस्त जम्पर आदि की रिपेयर करने के साथ-साथ सभी फीडर और सर्विस पिलर को ढकने और सही तरीके से उन्हें बंद करने एवं ताला लगाकर रखने के लिए भी कहा गया है। अर्थिंग रोकने तथा सभी स्ट्रीटलाइटों के ठीक से काम करने पर भी ध्यान देने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा, खतरों के बारे में लोगों को चेतावनी देने के लिए उपयुक्त स्थानों पर साइनबोर्ड लगाने, और फील्ड टीमों के लिए सभी पीपीई एवं टूल्स का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है।

शिविरों में बिजली से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, टाटा पावर-डीडीएल ने कई महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय किए हैं:

- एक व्यापक करंट लीकेज जांच अभियान शुरू किया गया, जिसमें जोनल टीमें सबस्टेशन की फेंसिंग, पोल (लोक निर्माण विभाग/नगर निगम की स्ट्रीट लाइट पोल सहित), फीडर/सर्विस पिलर, एटीएम और स्कूल व अस्पतालों के गेट जैसे महत्वपूर्ण स्थलों की जांच कर रही हैं।
- किसी खतरनाक इंस्टॉलेशन या ओपन पैनल्स यदि कवर क्षतिग्रस्त हैं या लॉकिंग संभव नहीं हैं, की फेन्सिंग की गई।

- मानसून सीज़न के मद्देनज़र, उन निचले इलाकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा जहां पानी जमाव की समस्या हो।

टाटा पावर-डीडीएल ने आम जनता और तीर्थयात्रियों से भी इस संबंध में सहयोग करने का अनुरोध किया है ताकि कांवड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल और सुरक्षा के सर्वोच्च मानक सुनिश्चित किए जा सकें।

सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, टाटा पावर-डीडीएल ने कांवड़ तीर्थयात्रियों के लिए निम्न सुरक्षा परामर्श जारी किए हैः

- बिजली के खंभों, ट्रांसफार्मरों एवं तारों से दूरी बनाए रखें।
- कांवड़ शिविरों में बिजली के उपकरणों का सावधानीपूर्वक उपयोग करें।
- गीले हाथों से किसी भी विद्युत उपकरण को न छुएं।
- जहां भी विद्युत रिसाव या कोई अन्य ख़तरा दिखाई दे, तो तुरंत नजदीकी बिजली कार्यालय को सूचित करें या टोल फ्री नंबर 19124 पर कॉल करें।
- हाई वोल्टेज लाइन के नीचे ना रुकें और ना ही कांवड़ रखें।
- डाक कांवड़ ले जाने वाले यात्री यह सुनिश्चित करें की वाहनों पर रखी कांवड़ की ऊंचाई बिजली की तारों से कम से कम 1 मीटर की दूरी पर हो। साथ ही ध्यान रखें की किसी भी अवस्था में बिजली की तारों को ऊपर करने के लिए लोहे के पाइप या गीले डंडे का प्रयोग न करें।
- विद्युत पोल या उपकरणों पर किसी भी प्रकार के झंडे, पोस्टर या बैनर ना लगाएं।

टाटा पावर-डीडीएल के बारे में

टाटा पावर-डीडीएल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और टाटा पावर के बीच संयुक्त उद्यम है। कंपनी उत्तरी दिल्ली में लगभग 90 लाख की आबादी को बिजली आपूर्ति करती है। टाटा पावर-डीडीएल बिजली वितरण के क्षेत्र में सुधारों के स्तर पर अग्रणी है और इसने उपभोक्ता-केंद्रित व्यवहारों के लिए अपनी साख बनायी है। निजीकरण के बाद, टाटा पावर-डीडीएल के वितरण इलाकों में एटीएंडसी नुकसान में रिकॉर्ड कमी आयी है। वर्तमान में, एटीएंडसी नुकसान 5.9% है, और जुलाई 2002 में 53% के शुरुआती नुकसान स्तर की तुलना में इसमें अप्रत्याशित रूप से कमी आई है। टाटा पावर-डीडीएल के बारे में और जानकारी के लिए देखें: www.tatapower-ddl.com

For further information please contact:

Corporate Communications:

John Edwin (9910082270)

Slough PR:

Abhishek Anand (9711061540)